सांध्य दैनिक

4PM

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 70 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार, 13 अप्रैल, 2022

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

माता-पिता का सम्मान किया जाना चाहिए और बड़ों का भी, जीवित प्राणियों के प्रति दयालुता को मजबूत किया जाना चाहिए और सत्य बोला जाना चाहिए।
-सम्राट अशोक

टीबी मरीजों वाले गांव को गोद लेंगे... 8 | विधान परिषद चुनाव नतीजों से... 3 | लोकतंत्र की मर्यादा को तार-तार... 7

फिर लौटी महामारी, टेंशन में सरकार

गाजियाबाद-नोएडा के स्कूलों में पहुंचा कोरोना, कई विद्यालय बंद

» कई राज्यों में फिर बढ़ने लगे हैं केस, केंद्र ने जारी की चेतावनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दिल्ली। कोरोना एक बार फिर लौटने लगा है। कई राज्यों में संक्रमण के बढ़ते मामलों और नए एक्सई वैरिएंट ने केंद्र और राज्य सरकारों की टेंशन बढ़ा दी है। केंद्र ने सतर्कता बरतने और कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करने को कहा है। वहीं यूपी के गाजियाबाद और नोएडा के कई स्कूलों में कोरोना की इंट्री हो गयी है। लगातार बढ़ रहे संक्रमण को देखते हुए कई स्कूलों को अगले आदेश तक बंद कर दिया गया है। संक्रमण को देखकर अब अभिभावक भी अपने बच्चों को स्कूल भेजने से परहेज करने लगे हैं।

पिछले कुछ दिनों से देश के कई राज्यों में कोरोना के मामले फिर बढ़ने लगे हैं। गुजरात, महाराष्ट्र समेत कुछ राज्यों में कोरोना के नए वैरिएंट एक्सई की पुष्टि हुई है। केरल, दिल्ली, महाराष्ट्र, हरियाणा और मिजोरम में नए मामलों में सबसे अधिक बढ़त देखी जा रही है। लिहाजा केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने इन सभी राज्यों को चिट्ठी लिखकर अतिरिक्त सतर्कता बरतने के लिए कहा है। वहीं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने हालात की समीक्षा की है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे संक्रमण की स्थिति पर नजर रखें। नए वैरिएंट की वजह से जो मामले सामने आ रहे हैं, उनकी निगरानी प्रक्रिया को और चुस्त-दुरुस्त करें। राज्य सरकारें कोरोना प्रोटोकॉल के पालन को सुनिश्चित करें। दूसरी ओर यूपी के गाजियाबाद और नोएडा के कई स्कूलों में छात्रों के कोरोना संक्रमित होने के मामले बढ़ गए हैं। दो दिनों में गाजियाबाद और नोएडा में अब तक तीन दर्जन से अधिक छात्रों के कोरोना पॉजिटिव होने की पुष्टि हुई है। लिहाजा 6 स्कूलों को अगले आदेश तक बंद कर दिया गया है। नोएडा में अब कुल 15 बच्चे संक्रमित हो चुके हैं। वहीं गाजियाबाद में 21 छात्रों के संक्रमित होने के साथ ही स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। विभाग ने किशोरों का टीकाकरण तेज करने के लिए सभी स्कूलों को सख्त नोटिस भेजा है। नोएडा के दिल्ली पब्लिक स्कूल, जेवीएम ग्लोबल स्कूल, श्रीराम मिलेनियम स्कूल के एक-एक बच्चे सहित अन्य स्कूलों के एक दर्जन से अधिक बच्चों के पॉजिटिव होने की पुष्टि हुई है। सीएमओ डा. सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि खेतान स्कूल के 13 बच्चे और तीन अध्यापकों के संक्रमित होने की सूची स्कूल प्रबंधन की ओर से प्राप्त हुई है। प्रबंधन ने एहतियातन स्कूल को 17 अप्रैल तक बंद कर दिया गया है। हालांकि ऑनलाइन कक्षाएं जारी रहेंगी। गाजियाबाद में आज पांच छात्रों समेत 11 लोग कोरोना संक्रमित मिले हैं। गाजियाबाद के वसुंधरा स्थित जयपुरिया स्कूल में कक्षा 10 का छात्र कोरोना संक्रमित मिला है। इसे अगले आदेश तक बंद कर दिया गया है। स्वास्थ्य विभाग ने छात्र के संपर्क में आने वाले दूसरे बच्चों के सैंपल लेने की तैयारी शुरू कर दी है। इससे पहले गाजियाबाद के सेंट फ्रांसिस स्कूल में 4 और केआर मंगलम स्कूल में पांच बच्चे कोरोना संक्रमित निकल चुके हैं। गाजियाबाद के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर भवतोष शंखधर ने कहा कि हमारे पास 9 बच्चों के कोरोना संक्रमित होने की सूचना है। इन बच्चों के संपर्क में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की टेस्टिंग चल रही है।

चौबीस घंटे में बढ़े केस

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान देश में 1,088 नए मामले सामने आए हैं जबकि इससे पहले यानी 12 अप्रैल को 796 नए मामले सामने आए थे जबकि 11 अप्रैल को 861 नए मामले सामने आए थे। वहीं 24 घंटे में 7 लोगों की जान गई है।

यहां सबसे अधिक केस

केरल में सबसे ज्यादा 2982 मामले सक्रिय हैं। कर्नाटक में 1450, असम में 1351, महाराष्ट्र में 714, मिजोरम में 725 और दिल्ली में 688 मामले अभी भी सक्रिय हैं।

ऑफिस में लागू होगा सिटीजन चार्टर, लेट-लतीफ अफसरों व कर्मियों के खिलाफ होगी कार्रवाई : सीएम

» जन शिकायतों के त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

» अवैध नर्सिंग कॉलेजों के खिलाफ दर्ज की जाएगी एफआईआर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज लखनऊ में कोविड प्रबंधन के लिए टीम-नाइन की बैठक की। उन्होंने कहा कि आम जनता की शिकायत के निस्तारण के लिए हर दफ्तर में सिटीजन चार्टर लागू किया जाय और लापरवाह और लेट-लतीफ अधिकारियों-कर्मचारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाय। साथ ही बिना मान्यता और नियम विरुद्ध चलने वाले नर्सिंग कॉलेजों की पहचान कर एफआईआर दर्ज की जाए।

सीएम योगी ने अधिकारियों और कर्मचारियों को लेकर भी सख्त निर्देश दिए। पहले लंच टाइमिंग आधे घंटे करने के निर्देश के बाद आज सीएम ने कहा कि शासकीय कार्यालयों में हर अधिकारी और कर्मचारी की समय से उपस्थिति होनी सुनिश्चित की जाए। लेट-लतीफी कतई स्वीकार नहीं की जाएगी। वरिष्ठ अधिकारी भी लगातार औचक निरीक्षण करें। यूपी में नियम विरुद्ध नर्सिंग कॉलेजों की जांच की जाए और ऐसे नर्सिंग कॉलेजों के संचालकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतों का त्वरित संज्ञान लेते हुए निस्तारण किया जाए। हर कार्यालय में सिटीजन चार्टर को प्रभावी रूप से लागू किया जाए। किसी भी कार्यालय में कोई फाइल तीन दिनों से अधिक लंबित न रहे। देरी होने पर जवाबदेही तय की जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेशवासियों को कोविड टीकाकवर उपलब्ध कराने का हमारा महत्वपूर्ण अभियान सफलतापूर्वक चल रहा है। 12 से 14 और 15 से 17 आयु वर्ग के टीकाकरण की प्रगति भी बेहतर है। इसे और तेज किया जाए। सीमावर्ती कुछ राज्यों में कोविड के केस बढ़ रहे हैं, ऐसे में सीमावर्ती जनपदों में विशेष सतर्कता बरती जाए।

प्रदेश में गुंडागर्दी और अराजकता के लिए कोई जगह नहीं : योगी

» रामनवमी पर कहीं तू-तू-मैं-मैं भी नहीं हुई

» यह प्रदर्शित करता है विकास की नयी सोच को

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एक तरफ रामनवमी पर कई राज्यों में हिंसा हुई तो सांप्रदायिक रूप से बेहद संवेदनशील उत्तर प्रदेश में कहीं से कोई अप्रिय खबर नहीं आई। इसको लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ ने अपनी सरकार की पीठ थपथपाते हुए कहा है कि यूपी में कहीं तू-तू-मैं-मैं भी नहीं हुई। यह उत्तर प्रदेश के विकास की नई सोच को प्रदर्शित कर रहा है। यहां अब गुंडागर्दी और अराजकता के लिए कोई जगह नहीं है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा, अभी रामनवमी की तिथि थी। 25 करोड़ की आबादी यूपी में रहती है। 800 स्थानों पर रामनवमी की शोभा यात्रा थी, जुलूस भी थे। साथ-साथ इस समय रमजान का महीना चल रहा है। रोजा इफ्तार के भी कार्यक्रम रहे होंगे। कहीं भी कोई तू-तू-मैं-मैं नहीं हुई, दंगे फसाद की बात तो दूर है। उन्होंने कहा कि यह उत्तर प्रदेश की विकास की नई सोच को प्रदर्शित कर रहा है। अब दंगा फसाद के लिए कोई जगह नहीं है। अराजकता, गुंडागर्दी, अफवाह के लिए कोई जगह नहीं है। उत्तर प्रदेश ने रामनवमी पर, मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की पावन जयंती के अवसर पर यह साबित किया है। लगातार दूसरी बार यूपी की सत्ता पर काबिज होकर रिकॉर्ड बनाने वाले योगी आदित्यनाथ ने यह बातें रामनवमी पर दूसरे राज्यों में हुई हिंसा के संदर्भ में कहीं। गौरतलब है कि रविवार को रामनवमी के अवसर पर गुजरात, मुध्य प्रदेश, झारखंड और पश्चिम बंगाल में कई जगह हिंसा हुई थी। इन घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई जबकि कई लोग घायल हो गए थे।

न्यायपालिका को नजरअंदाज कर रही सरकार: मायावती

» कानून के राज का बनाया जा रहा मजाक

» बसपा प्रमुख ने भाजपा पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा प्रमुख मायावती ने प्रदेश सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि यूपी में भी कानून-व्यवस्था व अपराध नियंत्रण आदि के नाम न्यायपालिका को नजरअन्दाज किया जा रहा है। जिस प्रकार से सरकार व पुलिस न्यायपालिका को इग्नोर करके काम कर रही हैं। वह कानून के राज का मजाक है।

मायावती ने कहा कि राजस्थान तथा फिर उसके बाद मध्यप्रदेश व गुजरात जैसे अन्य राज्यों में शान्ति एवं सौहार्द बिगाड़ने वाली हिंसक घटनाएं हुई हैं। जिसके बाद सरकार ने प्रथमदृष्टया बदले की कार्रवाई की। यह सही कदम नहीं। क्या इसी प्रकार के उदाहरणों से नया भारत बनेगा। गौरतलब है कि बीते रविवार को रामनवमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया लेकिन कुछ राज्यों में जुलूस के दौरान सांप्रदायिक झड़पें भी हुईं। गुजरात में जुलूस के दौरान दो समुदायों के बीच झड़प हो गई जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि अन्य घायल हो गया। मध्यप्रदेश-झारखंड में हिंसा हुई। बाद में कुछ सरकारों ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की।

सपनों की सफारी पहुंचे सपा संरक्षक मुलायम सिंह, निदेशक से बोले

पैसे की जरूरत हो तो बताएं, सरकार से दिलाऊंगा

» सफारी में अधिक से अधिक पर्यटकों को लाने पर दिया जोर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इटावा। सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव मंगलवार शाम अपने ड्रीम प्रोजेक्ट इटावा सफारी पार्क पहुंचे। करीब एक घंटे तक उन्होंने सफारी का भ्रमण किया और अधिकारियों से कहा कि सफारी में ज्यादा से ज्यादा पर्यटक लाने का प्रयास करें।

सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव शाम करीब पांच बजे सफारी पहुंचे। मुख्य द्वार पर पार्क के उप निदेशक अरुण कुमार सिंह और क्षेत्रीय वन अधिकारी विनीत कुमार सक्सेना ने गुलाब के फूलों का गुलदस्ता देकर उनका स्वागत किया। सफारी की खुली जीप में मुलायम सिंह पहले लाइन सफारी पहुंचे। इसके बाद हिरन और भालू की सफारी भी देखी। निरीक्षण करने के बाद विजटर बुक में अपने भाव प्रकट किए। उन्होंने इटावा सफारी पार्क को देश की पहचान बताया। उप निदेशक से सफारी की जानकारी हासिल की। सपा संरक्षक ने उनसे कहा कि अगर सफारी में धन संबंधी कोई जरूरत आए तो हमें जानकारी दें। मैं सरकार से बात करके उसको पूरा कराऊंगा। उन्होंने कहा कि सफारी का संरक्षण बहुत जरूरी है। सफारी के उप निदेशक ने सपा संरक्षक को कॉफी टेबल बुक भेंट की है।

रायबरेली में और मजबूत हुआ पंचवटी परिवार

» एमएलसी चुनाव में दिनेश प्रताप सिंह जीते

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायबरेली। एमएलसी चुनाव से पहले राज्यमंत्री पद का तोहफा और अब एकतरफा जीत के साथ पंचवटी परिवार की जिले की राजनीति में पकड़ और मजबूत हो गई है। राज्यमंत्री दिनेश प्रताप सिंह की मजबूत घेराबंदी का नतीजा यह रहा कि विरोधी मैदान में उन्हें छू भी न सके।

यहां एमएलसी चुनाव में 2480 मतदाता है, जिसके सापेक्ष 2464 मतदाताओं ने मतदान किया था। भाजपा प्रत्याशी व राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार दिनेश प्रताप सिंह को 2304 मत मिले। वहीं सपा प्रत्याशी इंजीनियर वीरेंद्र शंकर सिंह को 129 मतों पर ही संतोष करना पड़ा। भाजपा प्रत्याशी दिनेश प्रताप सिंह ने 2175 मतों से जीत दर्ज की। दिनेश प्रताप सिंह ने लगातार तीसरी बार एमएलसी के चुनाव में जीत दर्ज की है। जिले के गुनावर कमंगलपुर के गांव से निकले एक परिवार को पंचवटी के नाम से जाना जाता है। एक दशक से यह परिवार रायबरेली की राजनीति के केंद्र में हैं। छोटे से छोटे व बड़े से बड़े राजनीतिक पद पर इस परिवार का कब्जा है। एक ही घर की छत के नीचे विधायक, एमएलसी, ब्लाक प्रमुख व जिला पंचायत अध्यक्ष सभी रहे। पंचवटी नाम का यह आवास एमएलसी व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के मुकाबले चुनाव में उतरे दिनेश सिंह का है।

एमएलसी चुनाव: भाजपा ने जाटलैंड में किया क्लीन स्वीप

सभी 6 सीटों पर दर्ज की एकतरफा जीत, गठबंधन का नहीं खुला खाता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव 2022 की तरह उत्तर प्रदेश एमएलसी चुनाव में भाजपा ने जाटलैंड की जमीन पर एक बार फिर अपनी जीत का झंडा फहरा दिया। पश्चिमी यूपी में एमएलसी की सभी 6 सीटों पर भाजपा ने एकतरफा जीत हासिल की है। मेरठ-गाजियाबाद की जो सीट अभी तक सपा के कब्जे में थी, उस सीट को भी इस बार भाजपा ने जीत लिया है।

विधान सभा चुनाव में जिस वेस्ट यूपी में भाजपा ने 71 में से 40 सीटों पर फतह हासिल की थी, किसानों ,जाटों की उसी धरती पर एमएलसी चुनाव में भाजपा ने क्लीन स्वीप किया। किसान आंदोलन, महापंचायतों और कृषि कानूनों के कारण भारी विरोध भी भाजपा की जीत पर असर नहीं डाल सका। वेस्ट यूपी की छह एमएलसी सीटों पर हुए चुनाव में भाजपा के सामने गठबंधन ने

पूरी ताकत से चुनाव लड़ा। हर सीट पर अपने प्रत्याशी उतारे। बुलंदशहर, मेरठ में रालोद ने प्रत्याशी उतारे। बुलंदशहर सीट पर रालोद प्रत्याशी ने पहले ही नामांकन वापस ले लिया और भाजपा के नरेंद्र भाटी निर्विरोध जीत गए। 5 सीटों पर मतदान हुआ ये सीटें भी भाजपा ने जीत लीं।

कहां से किसको मिली जीत

मेरठ-गाजियाबाद सीट पर भाजपा के धर्मेंद्र भारद्वाज ने रालोद के सुनील रोहटा को हराया। मुजफ्फरनगर-सहारनपुर सीट पर भाजपा की वंदना वर्मा ने सपा के मो. आरिफ को हराया। वंदना वर्मा राजनीति में एक मजबूत चेहरा हैं। खुद दो बार जिला सहकारी बैंक की सभापति रहीं हैं। मुरादाबाद-बिजनौर सीट पर भाजपा से 2014 में लोकसभा सांसद रहे सत्यपाल सैनी ने सपा के अजय प्रताप सिंह को हराया। रामपुर- बरेली सीट पर भाजपा के कुंवर महाराज सिंह ने सपा के मशकूर अहमद को परास्त किया। कुंवर महाराज सिंह पांच बार विधायकी जीते हैं और मंत्री भी बनाए गए हैं। पीलीभीत- शाहजहांपुर सीट पर भाजपा के डॉ. सुधीर गुप्ता ने सपा के अमित कुमार को हराया।

विधान परिषद चुनाव नतीजों से भाजपा गदगद, अब लोक सभा इलेक्शन पर नजर

» भाजपा अब पूरे आत्मविश्वास के साथ उतरेगी आम चुनावों में विपक्ष के सामने मुश्किल

» एक महीने के भीतर विधान सभा और विधान परिषद चुनाव में दर्ज की है प्रचंड जीत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा ने एक महीने के अंतराल में एक बार फिर उत्तर प्रदेश की राजनीति में इतिहास रच दिया है। विधान सभा में लगातार दूसरी बार प्रचंड बहुमत हासिल कर सत्ता में लौटी भाजपा ने अब विधान परिषद में भी बहुमत हासिल कर लिया है। इस चुनाव परिणामों का लोक सभा चुनाव पर भी असर पड़ेगा। अब भाजपा ने पूरे आत्मविश्वास और जोश के साथ आम चुनाव में उतरेगी। वहीं प्रमुख विपक्षी दल सपा का निराशाजनक प्रदर्शन लोक सभा चुनाव में उसके लिए मुश्किल खड़ा कर सकता है।

विधान परिषद चुनाव के नतीजे कई मायनों में बेहद खास हैं और आने वाले समय में यूपी की राजनीति पर इसका असर दिखाई देगा। भाजपा को पहली बार विधान परिषद में बहुमत मिल जाने से योगी सरकार के लिए रास्ता आसान हो गया है। अब कोई भी कानून बनाने के लिए भाजपा को विपक्ष के समर्थन की जरूरत नहीं रह गई है। योगी सरकार अब दोनों सदनों से किसी भी कानून को आसानी से पारित करा सकती है। विधान सभा चुनाव और विधान परिषद चुनाव के बाद अब सभी दल 2024 में होने जा रहे लोक सभा चुनाव की तैयारियों में जुटेंगे। हालांकि विधान परिषद चुनाव नतीजों का लोक सभा चुनाव पर कोई सीधा असर नहीं पड़ेगा लेकिन अप्रत्यक्ष रूप से इसकी भूमिका जरूर होगी। चूंकि इस चुनाव में स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने वोट डाला था और ताजा नतीजों ने उन पर भाजपा की पकड़ को साबित किया है, ऐसे में 2024 लोक सभा चुनाव के लिए भाजपा का मनोबल बढ़ेगा तो वहीं सपा को अपने काडर की निराशा दूर करने के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ेगी।

अखिलेश की बढ़ेगी चुनौती

विधान सभा चुनाव में हार के बाद पार्टी में हाहाकार का सामना कर रहे समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के लिए चुनौतियां और बढ़ सकती हैं। पहले चाचा शिवपाल यादव और फिर आजम खान के खेमे की ओर से नाराजगी जाहिर किए जाने के बाद अब सपा अध्यक्ष के खिलाफ विरोध के सुर तेज हो सकते हैं। विधान परिषद चुनाव मे सपा का पश्चिम से पूरब तक सूपड़ा साफ हो गया है। खास बात यह है कि सपा के सबसे बड़े गढ़ इटावा-फर्रुखाबाद में भी साइकिल पंक्चर हो गई है। वहीं भाजपा को भी वाराणसी में करारी हार का सामना करना पड़ा है। यह बात सही है कि पिछले 24 साल से बृजेश सिंह एमएलसी चुनाव में यह सीट जीतते आ रहे हैं, लेकिन भाजपा यहां सपा से भी पिछड़ गई है। इससे भाजपा की कुछ चिंता जरूर बढ़ सकती है।

भाजपा ने विधान परिषद में बहुमत का बनाया रिकॉर्ड

लखनऊ। चालीस साल में ऐसा पहली बार है जब यूपी विधान परिषद में किसी पार्टी को पूर्ण बहुमत मिला है। ये रिकॉर्ड भाजपा के नाम दर्ज हो गया है। इसके पहले 1982 में कांग्रेस के पास पूर्ण बहुमत था। यूपी विधान परिषद में 100 सीटें हैं। इनमें से 36 सीटों के लिए चुनाव हुए। नौ सीटों पर भाजपा उम्मीदवारों ने निर्विरोध जीत हासिल की। जिन 27 सीटों पर मतदान हुआ, उनमें से 24 पर भाजपा को जीत मिली। तीन सीटों पर निर्दलीय उम्मीदवार जीत गए। विधान परिषद में बहुमत का आंकड़ा 51 का है। अब भाजपा के 67 एमएलसी हो चुके हैं यानी बहुमत के आंकड़े से भी 16 ज्यादा। वहीं समाजवादी पार्टी के 17, बसपा के चार, कांग्रेस के एक, अपना दल (सोनेलाल) के एक सदस्य हैं। इसके अलावा दो शिक्षक एमएलसी, पांच निर्दलीय और एक निषाद पार्टी के सदस्य हैं। दो सीटें खाली हैं।

एमएलसी चुनाव में वाराणसी ने भाजपा की बढ़ाई टेंशन, जमानत जब्त होने से मची अंदरूनी कलह

» प्रत्याशी का आरोप- पार्टी के लोग ही निर्दलीय प्रत्याशी के एजेंट हों तो जीत कैसे होती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पीएम मोदी की संसदीय सीट वाराणसी में एमएलसी चुनाव में हार मिलने से भाजपा टेंशन में आ गई है। हार के बाद पार्टी में जिला स्तर पर अंदरूनी कलह मच गई है। वाराणसी जिले की आठ विधान सभा सीटों पर जीत हासिल करने वाली भाजपा के एमएलसी उम्मीदवार के लिए मंगलवार अमंगलकारी सिद्ध हुआ। पीएम मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में विधान सभा की सभी सीटें जीतने वाली पार्टी के उम्मीदवार की जमानत तक जब्त हो गई और वह निर्दलीय और सपा के बाद तीसरे स्थान पर रहे। चुनाव परिणाम आने के बाद पार्टी के उम्मीदवार ने पार्टी के पदाधिकारियों की निष्ठा को सवालों के घेरे में खड़ा करते हुए पार्टी के खिलाफ कई लोगों के काम करने का आरोप भी लगाया।

वहीं इस एमएलसी चुनाव में चर्चित बृजेश सिंह की पत्नी अन्नपूर्णा सिंह निर्धारित कोटा से ज्यादा मत प्राप्त कर वाराणसी से विजयी घोषित हुई हैं जबकि मतगणना की समाप्ति के बाद से ही सियासी आरोपों का दौर शुरू जारी है। सबसे बड़ा आरोप भाजपा के ही उम्मीदवार ने अपने ही पार्टी के लोगों पर लगाकर सनसनी फैला दी है। वाराणसी से 4234 पाकर अन्नपूर्णा सिंह विजयी रहीं तो वहीं सपा प्रत्याशी उमेश यादव ने कहा कि भाजपा से अधिक वोट पाना ही मेरी विजय है जबकि भाजपा प्रत्याशी डा. सुदामा पटेल ने कहा कि जब भाजपा के लोग ही निर्दल प्रत्याशी के एजेंट बने हों तो जीत कैसे होती? सपा प्रत्याशी उमेश यादव ने आरोप लगाया कि धनबल और बाहुबल का प्रयोग किया गया। हमें संतोष है कि हम भाजपा से आगे हैं। जिन्होंने मुझे वोट किया मैं उनका आभार प्रकट करता हूं।

भाजपा प्रत्याशी के तीसरे नंबर पर रहने से हो गयी फजीहत

पीएम मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में भाजपा प्रत्याशी न केवल हारा बल्कि तीसरे नंबर पर रहा। इससे पार्टी की फजीहत हो गयी। यहां एक बार फिर से बृजेश सिंह का दबदबा कायम रहा। यहां भाजपा को तीसरा स्थान मिला। निवर्तमान एमएलसी बृजेश सिंह के बड़े भाई उदयभान सिंह उर्फ चुलबुल सिंह एमएलसी सीट पर 1998 में एमएलसी बने। दो बार एमएलसी चुने गए और पंचायत चुनाव में उनका दबदबा जगजाहिर ही है। इसके बाद 2010 में बृजेश सिंह की पत्नी अन्नपूर्णा सिंह बसपा के टिकट से इस सीट पर एमएलसी बनी। इसके बाद वर्ष 2016 में बृजेश सिंह मैदान में उतरे तो भाजपा ने उन्हें समर्थन दिया और उनके खिलाफ कोई प्रत्याशी नहीं उतारा था।

वाराणसी में भाजपा पूरी तरह धड़ाम

वाराणसी स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र से विधान परिषद सदस्य चुनाव की सीट पर कपसेठी हाउस पांचवीं बार कब्जा जमाने में सफल रहा। निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में अन्नपूर्णा सिंह ने इस सीट पर दूसरी बार भारी बहुमत से जीत हासिल कीं। इस तरह 24 साल से यह सीट एक ही परिवार में है। अन्नपूर्णा को कुल 4234 वोट मिले। वहीं प्रतिद्वंद्वी सपा के उमेश यादव को 345 वोट मिले। भाजपा पूरी तरह धड़ाम रही, उनके प्रत्याशी डा. सुदामा पटेल को सिर्फ 170 वोट हासिल हुए और उनकी जमानत जब्त हो गई।

भाजपा की करीबी है अन्नपूर्णा सिंह

बृजेश पूर्व में भाजपा समर्थित रह चुके हैं जबकि अन्नपूर्णा सिंह के परिवार में अधिकांश लोग भारतीय जनता पार्टी से ही जुड़े हुए हैं। चुनाव प्रचार के दौरान भी अन्नपूर्णा सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की खूब तारीफ की थी। वहीं बृजेश के चुनाव मैदान से हटने के बाद भी अन्नपूर्णा के समर्थन में भाजपा के करीबी लोग लगे रहे। वहीं चुनाव परिणाम को काफी करीब से देख रहे भाजपा उम्मीदवार ने पूर्व में भी पार्टी कार्यकर्ताओं और भाजपा पदाधिकारियों पर पार्टी के उम्मीदवार के खिलाफ भीतरघात का आरोप लगा चुके थे। इस प्रकरण को लेकर पार्टी में शीर्ष स्तर पर भी उम्मीदवार ने आरोप लगाया था कि माफिया बृजेश के समर्थन में पार्टी के दिग्गज लोग लगे हुए हैं और भाजपा उम्मीदवार को हराने का पूरा प्रयास कर रहे हैं। इस बाबत परिणाम ने साबित कर दिया है कि भाजपा के गढ़ में उम्मीदवार के जमानत जब्त होने के पीछे कुछ गंभीर कारण जरूर थे।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

धधकते जंगल खतरे में पर्यावरण

"मिर्जापुर की बंजारी पहाड़ी के जंगल पिछले कई दिनों से धधक रहे हैं। अब यह आग सोनगढ़ा जंगल की ओर बढ़ रही है। तमाम कोशिशों के बावजूद वन विभाग की टीम आग पर काबू पाने में असफल रही है। इसके कारण न केवल हजारों पेड़ जलकर राख हो गए हैं बल्कि वन्य जीवों पर भी खतरा मंडराने लगा है। जंगलों में लग रही आग और पेड़ों के अवैध कटान के कारण पर्यावरण को खतरा उत्पन्न हो गया है।

यूपी के मिर्जापुर की बंजारी पहाड़ी के जंगल पिछले कई दिनों से धधक रहे हैं। अब यह आग सोनगढ़ा जंगल की ओर बढ़ रही है। तमाम कोशिशों के बावजूद वन विभाग की टीम आग पर काबू पाने में असफल रही है। इसके कारण न केवल हजारों पेड़ जलकर राख हो गए हैं बल्कि वन्य जीवों पर भी खतरा मंडराने लगा है। जंगलों में लग रही आग और पेड़ों के अवैध कटान के कारण पर्यावरण को खतरा उत्पन्न हो गया है। सवाल यह है कि वन संपदा की रक्षा को लेकर सरकारी तंत्र लापरवाही क्यों बरत रहा है? वृक्षारोपण अभियान के बावजूद जंगल का दायरा घटता क्यों जा रहा है? पेड़ों की अवैध कटाई पर नियंत्रण क्यों नहीं लग पा रहा है? जंगल को आग से बचाने के लिए जरूरी कदम क्यों नहीं उठाए जा रहे है? विकास की अंधी दौड़ में पर्यावरण को बर्बाद क्यों किया जा रहा है? क्या पेड़-पौधों के बिना जीवन की कल्पना की जा सकती है?

प्रदेश में वन संपदा की लूट मची है। जंगल माफिया वनों को बर्बाद कर रहे हैं। पेड़ों की अंधाधुंध कटाई की जा रही है। लिहाजा प्रदेश में वन क्षेत्र का दायरा घटता जा रहा है। यूपी में महज 9.01 फीसदी वन क्षेत्र बचा है। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय भी इस पर अपनी चिंता जता चुका है। मंत्रालय द्वारा इसी साल 14 जनवरी को पेश भारतीय वन सर्वेक्षण की रिपोर्ट में कहा गया है कि चंदौली, सोनभद्र और मिर्जापुर में बड़े पैमाने पर जंगल साफ हो गए हैं। वहीं आजमगढ़, बिजनौर, खीरी, महराजगंज, मुजफ्फरनगर, पीलीभीत और सुल्तानपुर का वन क्षेत्र भी घट गया है। यह हाल तब है जब अधिकारी पौधारोपण के मामले में हर साल नया रिकॉर्ड बनाने का दावा करते हैं। हकीकत यह है कि इन इलाकों में जंगल माफिया सरकारी कर्मियों से मिलीभगत कर पेड़ों की अंधाधुंध कटाई कर रहे हैं। रही सही कसर जंगलों में लगी आग पूरी कर देती है। लापरवाही का आलम यह है कि यहां जंगलों में लगी आग की जानकारी अधिकारियों को तब होती है जब वह विकराल रूप ले लेती है। आग के कारण हर साल हजारों पेड़ जलकर राख हो जाते हैं और इन वनों में रहने वाले जीव-जंतुओं की भी मौत हो जाती है। पेड़ों की कटाई और जंगल में लगी आग से पर्यावरण को दोहरा नुकसान पहुंच रहा है। आग के कारण धुआं वातारण को प्रदूषित करता है तो दूसरी ओर कटाई के कारण पर्यावरण की रक्षा करने वाले पेड़ घटते जाते हैं। जाहिर है सरकार को वन संरक्षण की ठोस रणनीति अपनानी होगी साथ ही इसका दायरा बढ़ाने के लिए कागजों पर नहीं बल्कि जमीन पर पौधरोपण करना होगा। इसके अलावा वन संपदा को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी होगी।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

श्रीलंका की राह पर कई राज्य

शिवकांत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रमुख सचिवों की एक महत्वपूर्ण बैठक में कुछ सचिवों ने कुछ राज्यों में चुनाव जीतने के लिए की गयी मुफ्त वितरण योजनाओं पर चिंता प्रकट की। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसी योजनाएं पंजाब, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में श्रीलंका जैसा आर्थिक संकट खड़ा कर सकती हैं। इस चेतावनी पर विपक्षी नेताओं ने तंज कसे। तमिलनाडु के वित्त मंत्री त्यागराजन ने कहा कि भाजपा के बेरोक सत्ता हथियाने की वजह से श्रीलंका जैसा संकट खड़ा हो सकता है। शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा कि महंगाई पर अंकुश नहीं लगाया गया तो भारत में श्रीलंका जैसी स्थिति पैदा हो सकती है।

आम धारणा यह है कि श्रीलंका संकट चीन के कर्ज से पैदा हुआ है। श्रीलंका ने विभिन्न परियोजनाओं के लिए और कर्ज की किस्तें चुकाने के लिए चीन से लगभग पांच अरब डॉलर का कर्ज लिया है लेकिन यह श्रीलंका के कुल विदेशी कर्ज का लगभग 10 प्रतिशत ही है। कुल कर्ज का लगभग आधा उसने अंतरराष्ट्रीय बाजार से लिया है। उसने चीन जितना ही कर्ज जापान, एशियन विकास बैंक और विश्व बैंक से भी ले रखा है। संकट की असली वजह राजपक्षे और जयवर्धने सरकारों की आर्थिक नीतियां, भ्रष्टाचार और फिजूलखर्ची हैं। श्रीलंका ने चीन से भी पहले सत्तर के दशक में आर्थिक सुधार शुरू कर दिया था। मुक्त बाजार व्यवस्था शुरू होते ही वहां तेजी से विदेशी निवेश आया और पर्यटन उद्योग का विकास हुआ। बुनियादी सुविधाएं बेहतर हुईं लेकिन सरकार ने खेती, ऊर्जा और औद्योगिक निर्माण जैसे अर्थव्यवस्था को स्थिरता देनेवाले क्षेत्रों के विकास पर ध्यान नहीं दिया। 2019 के आतंकवादी बम कांड ने और उसके बाद कोविड महामारी ने पर्यटन ठप कर दिया। जब कर्ज के भुगतान के लिए भी कर्ज लेने की नौबत आ गयी, तब सरकार ने रासायनिक खाद के आयात पर खर्च होनेवाली विदेशी मुद्रा को बचाने के लिए खेती को पूरी तरह ऑर्गेनिक बनाने का फैसला लिया। इसका परिणाम उपज आधी हो गयी। क्या भारत के कुछ राज्यों की आर्थिक दशा इतनी खराब हो चुकी है कि कर्ज माफी, मुफ्त बिजली, गैस सिलिंडर और कंप्यूटर तथा पेंशन जैसी चुनावी

योजनाओं से उनका हाल श्रीलंका जैसा हो सकता है? इसका सीधा उत्तर तो यह है कि आमदनी बढ़ाये बिना अंधाधुंध खर्च करने से किसी भी राज्य का दिवाला निकल सकता है, पर भारतीय राज्यों की दशा अभी इतनी खराब नहीं हुई है और अर्थव्यवस्था भी कुछ ही स्रोतों पर इतनी निर्भर नहीं है कि श्रीलंका जैसा हाल हो सके। कुछ राज्यों की स्थिति खतरे के निशान तक पहुंची है, जिनमें पंजाब, राजस्थान, केरल, पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश मुख्य हैं। इनके कर्ज निर्धारित सीमा से दोगुने हो चुके हैं।

राजस्व विधेयक समीक्षा समिति के अनुसार केंद्र सरकार का कर्ज जीडीपी के 40 प्रतिशत से और राज्यों का कर्ज उनकी जीडीपी के 20 प्रतिशत से ऊपर नहीं जाना चाहिए। मुद्रा की साख और ऋणदाताओं का भरोसा कायम रखने के लिए वित्तीय संयम और संतुलन रखना जरूरी होता है। केंद्र सरकार की वित्तीय स्थिति भी बहुत अच्छी नहीं है। रिजर्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की रिपोर्टों के अनुसार, केंद्र सरकार का कर्ज जीडीपी के 60 प्रतिशत से ऊपर जा चुका है और राज्य सरकारों का कर्ज जीडीपी के 30 प्रतिशत से ऊपर चल रहा है। इस प्रकार कुल राष्ट्रीय कर्ज जीडीपी के 90 प्रतिशत से ऊपर है। फिर भी, श्रीलंका की तुलना में भारत का कर्ज अब काफी कम है। कर्ज के बोझ के कारण कर्ज माफ करने, महिलाओं और वृद्धों को पेंशन देने, मुफ्त बिजली देने और सरकारी नौकरियां बढ़ाने जैसी योजनाओं से राज्यों के घाटे और बढ़ सकते हैं। इसमें कोई दो राय नहीं कि कोविड और महंगाई की मार से जूझते गरीब लोगों को आर्थिक मदद देने की भी जरूरत है। इसके बिना मांग नहीं बढ़ती और बिना मांग के अर्थव्यवस्था की गति तेज नहीं हो सकती। मांग को शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचा बेहतर कर भी बढ़ाया जा सकता है और मुफ्त योजनाओं में पैसा बांट कर भी। उन मदों में पैसा लगाने के लिए बड़ी पूंजी की जरूरत पड़ती है और प्रभाव दिखने में समय लगता है। इसलिए सरकारें लोकलुभावन योजनाएं लाकर वोट बटोरती हैं, जो आसान है, पर ये अर्थव्यवस्था को श्रीलंका की राह पर भी धकेल सकती हैं। इसका असली हल टैक्स नीति के सुधार में छिपा है। शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के लिए सरकारों को सेस कर लगा कर पैसा जुटाने के बजाय उन्हें सामाजिक सुरक्षा कर लगाने के बारे में सोचना चाहिए। अमेरिका और यूरोप से लेकर रूस और चीन तक हर देश में बुनियादी मदों का खर्च ऐसे करों से चलता है। इसी तरह केंद्र सरकार को परोक्ष करों पर निर्भरता कम करते हुए आयकर और लाभांश कर जैसे करों का दायरा बढ़ाना चाहिए। खर्च पर कर लगा कर उगाहना आसान जरूर है, लेकिन इससे मांग घटती है और अर्थव्यवस्था सुस्त पड़ती है, जबकि आमदनी पर लगने वाले करों से ऐसा कोई दुष्प्रभाव नहीं होता।

यूक्रेन पर भारतीय रणनीति की तार्किकता

राजेश रामचंद्रन

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बीते गुरुवार को बांग्लादेश की आजादी की लड़ाई पर 'द ट्रिब्यून' के लेखों के शृंखलाबद्ध संग्रह 'हीरोज़ ऑफ 1971' का विमोचन किया। 1971 का युद्ध नया सूत्रपात करने वाली घड़ी थी, जिसने दुनिया के नक्शे में नया मुल्क उकेरकर एक जीवंत देश बना डाला। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद के इतिहास में सबसे ज्यादा सफल मानवीय दखलअंदाजी की भूमिका पर भारत का नाज करना जायज है लेकिन क्या भारतीय कूटनीति 1971 के युद्ध की स्मृतियों की बंधक बन गई है? अपने सबसे बड़े संकट में सोवियत संघ की असीमित मदद के बदले क्या भारतीय विचार या टिप्पणीकार रूस से बंधकर रह गए हैं? क्या रूस-यूक्रेन युद्ध पर भारत की प्रतिक्रिया 50 साल पुरानी प्रतिबद्धता के मुताबिक तय होगी?

ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन से संबंधित और इसकी अमेरिकी शाखा के कार्यकारी निदेशक ध्रुव जयशंकर ने पिछले दिनों ट्विटर पर तूफान ला दिया जब उन्होंने पश्चिमी टिप्पणीकारों द्वारा यूक्रेन को लेकर भारतीय नीति पर 1971 का संदर्भ देने वाले ट्वीट्स को नस्लीय हमले का संरक्षणवादी ठहराया। ऐसा करके विदेश मंत्री एस जयशंकर के पुत्र ध्रुव ने पश्चिम की दुखती रग पर हाथ रख दिया। उनका यह कहना सच के करीब है कि यूक्रेन पर भारत के सरल रुख का आकलन अलग नजरिए से करने से ज्यादा बनावटी और ऊटपटांग व्याख्या और कोई नहीं हो सकती। वास्तव में भारतीय भावुक और शुक्रगुजार लोग हैं, किंतु भारतीय व्यवहार में मौकापरस्ती पर व्यावहारिकता को तरजीह देने वाला विरोधाभास सदा अंतर्निहित रहा है। यदि भारतीयों को रूस से अपने संबंधों की परवाह है तो वह केवल इसलिए कि आज रूस भारत के लिए क्या कर रहा है न कि जो 1971 में किया और वह बहुत कुछ कर रहा है। भारत की अपनी हथियार और अंतरिक्ष संबंधी जरूरतों के लिए लगभग पूरी तरह से रूस पर निर्भरता कुछ वैसी है जो चाहकर भी एकदम खत्म नहीं की जा सकती। अब भारत रूसी सहयोग से विकसित ब्रह्मोस मिसाइलों का निर्यातक भी है। फिलीपींस से भारतीय ब्रह्मोस मिसाइलों का सौदा आजादी के बाद वाले इतिहास में एक मील का पत्थर है। वहीं अमेरिका से गलबहियां डालना कोई तीस साल पहले शुरू हुआ जब नरसिम्हा राव, प्रणव मुखर्जी की जोड़ी ने देश को विश्व व्यापार संगठन की शर्तनुमा डोरियों से बांधकर, भारतीय बाजार को अमेरिकी प्रदत्त तकनीक से चीन में बनी वस्तुओं की मेगा-मार्किट में तब्दील कर डाला। जहां एक ओर जापान, दक्षिण कोरिया और चीन को अमेरिका से मिली तकनीक और निवेश से बहुत फायदा हुआ वहीं भारतीय राजनेता वैश्वीकरण के लाभ पर अंतहीन बातें करते रह गए और देश को चीन से आवश्यक दवाएं, इलेक्ट्रॉनिक्स वस्तुएं और दूरसंचार उपकरण खरीदने वाले विशुद्ध ग्राहक में तब्दील कर दिया। सीमा नियंत्रण रेखा पर भारत के कड़े तेवरों के बावजूद आज अगर चीन टेलीकॉम, इलेक्ट्रॉनिक्स सामग्री और दवा बनाने में प्रयुक्त मूल अवयवों की आपूर्ति बंद कर दे तो भारतीय उद्योग ठप हो जाएंगे। अब, चीन के बढ़ते रुतबे और दुनिया पर एकल-ध्रुवीय अमेरिकी सरदारी को चुनौती देने की चीन की नीयत स्पष्ट देख लेने के बावजूद अमेरिका ने भारत में निवेश और तकनीक हस्तांतरण बढ़ाने का कोई यत्न नहीं किया। जैसे ही वैश्विक व्यवस्था में बदलाव आया, दुनिया की नजरों में चीन का दर्जा मुख्य उत्पादन केंद्र का हो गया। भारत को केवल एक खपतकार मंडी बनकर रहने की बजाय लोकतंत्र के हितों और एक नियम आधारित विश्व-समाज बनाने की खातिर व्यवस्था में बदलाव लाना होगा। भारत के राष्ट्रीय हित जो यूक्रेन पर स्थिति तय करते हैं, वह केवल रूस से हथियारों के आयात तक सीमित नहीं हैं, इसमें चीन-पाकिस्तान-रूस की संभावित तिकड़ी से पैदा होने वाली गंभीर चिंताएं भी शामिल हैं। यह गठजोड़ भारत की आर्थिक और सैन्य रूप से नाकेबंदी कर पंगु बना सकता है। इस क्षेत्र में चीन द्वारा सम्पूर्ण दबदबा कायम करने की कोशिशों के विरुद्ध रूस-भारत गठबंधन ही एकमात्र सामरिक प्रतिरोधक बनने की हैसियत रखता है, फिर भी हैरानी है कि पश्चिमी जगत यह होते क्यों नहीं देखना चाहता। फिर, अमेरिका ने चीन का सामना करने को आस्ट्रेलिया-यूके-यूएस आधारित 'व्हाइट ब्वायज क्लब' नामक गठजोड़ बनाकर इस क्षेत्र में भारत के महत्व को प्रभावी ढंग से कमतर किया है। इस तरह भारत को अपना इंतजाम खुद करने के लिए अकेला छोड़ दिया। रूस की मदद के बिना यह कैसे हो पाएगा, इस सवाल का जवाब मिलना चाहिए। बतौर एक फलते-फूलते लोकतंत्र, भारतीयों का अमेरिका के प्रति अपार स्नेह है और अपेक्षा हैं कि क्षेत्रीय ताकत बनने में वह हमारी मदद करेगा। परंतु परिष्कृत चिप और कोड पाने की बजाय उन्हें मिलती हैं अमेरिकी अखबारों में गालियां। बहुत सारे सहयोगी होने के बावजूद भारत के पास 'यायावर राष्ट्र' रहने का एकमात्र सामरिक विकल्प बचा है जो पड़ोसी बैरी ताकतों से घिरा है और जिसकी चीनी आयात पर निर्भरता केवल परिष्कृत अमेरिकी तकनीक पाकर खत्म हो पाएगी। भारत के विशाल मानव श्रम-बल और क्रय-शक्ति का इस्तेमाल कर अमेरिका अपनी अर्थव्यवस्था में नया उछाल ला सकता है, बशर्ते वह अपनी आपूर्ति शृंखला में बदलाव लाकर भारत को निर्माता स्रोत बनाए, न कि अपना माल खपाने वाली एक मंडी। भारत अमेरिका के साथ खरा सहयोग और द्विपक्षीय लाभदायक रिश्ता बनाने की चाहत रखता है, 1971 की यादें यहां उतनी महत्वपूर्ण नहीं हैं।

देश विदेश में महिलाओं की त्वचा के प्रकार में अंतर होता है। किसी भी इंसान की त्वचा का प्रकार कई कारकों पर निर्भर करता है (जैसे वंश, त्वचा की देखभाल, परिवेश आदि) पर यह बात तय है कि जिन लोगों की त्वचा तैलीय होती है उन्हें काफी परेशानी झेलनी पड़ती है।

नारियल तेल स्क्रब

एक बड़े चम्मच नारियल तेल में एक छोटी चम्मच चीनी मिलाएं और इसे अच्छी तरह से मिलाएं। इस मिश्रण को अपने चेहरे और गर्दन पर लगाकर उंगलियों से गोल मसाज करें। 4 से 5 मिनट तक स्क्रब करें और इसके बाद गुनगुने पानी से धो लें। चेहरे को अच्छी तरह से धो लें। नारियल तेल चेहरे पर ज्यादा तेल बनने नहीं देता और आपका चेहरा मॉइश्चराइज रखता है। नारियल और चीनी का काम है चेहरे पर जमे डेड सेल को हटाना।

मसूर की दाल का स्क्रब

2 छोटे चम्मच मसूर दाल के पेस्ट में एक चुटकी हल्दी पाउडर मिलाएं। इसमें एक या दो छोटी चम्मच दही को अच्छी तरह से मिलाएं। अगर आप चाहें तो दही की जगह गुलाब जल भी डाल सकते हैं। इससे चेहरे पर 3 मिनट तक स्क्रब करें और उसके बाद इसे गुनगुने पानी से धो लें।

किचन स्क्रब

नींबू और चीनी स्क्रब

इस स्क्रब को बनाने के लिए 2 छोटे चम्मच ब्राउन शुगर लें और इसमें शहद की कुछ बूंदे मिलाएं। इसे मिलाकर मिश्रण बना लें। ऐसा करते समय यह ध्यान रखें कि इसे बहुत अच्छी तरह से ना मिलाएं क्योंकि ऐसा करने से चीनी पिघल जायेगी और हम ऐसा नहीं चाहते। इस मिश्रण से चेहरे को स्क्रब करें और फिर इसे ठंडे पानी से धो लें। स्क्रब करने के बाद आप चेहरे पर मॉइश्चराइजर लगा सकती हैं।

चीनी स्क्रब

यह स्क्रब बनाने में काफी आसान है। यहां आपको बस एक बड़ी चम्मच चीनी में एक छोटा चम्मच शहद मिलाना है। इस स्क्रब को पूरे चेहरे पर लगायें और 5 मिनट बाद धो लें। चीनी से तैलीय त्वचा एक्सफोलिएट होती है जिससे त्वचा पर से जमा तेल निकल जाता है। इससे कील मुहांसे भी नहीं होते और त्वचा मुलायम होती है।

संतरे के छिलके का स्क्रब

एक छोटा चम्मच संतरे के छिलके का पाउडर लें और इसमें एक चुटकी हल्दी पाउडर मिलाएं। इसमें एक चम्मच शहद मिलाएं ताकि मिश्रण आपस में बंध जाए। इस पेस्ट को चेहरे पर लगाएं और 10 मिनट तक स्क्रब करें। यह स्क्रब संवेदनशील त्वचा वाली महिलाओं के लिए सही रहता है।

चीनी, टमाटर से करें ऑयली स्किन की छुट्टी

जिन लोगों की त्वचा प्राकृतिक रूप से तैलीय है उन्हें अंदाजा होगा कि किसी भी उत्पाद को इस्तेमाल करने से पहले उन्हें कितना सोचना पड़ता है ताकि उनकी त्वचा की स्थिति और न बिगड़ जाए। इसलिए इस अवस्था में आप अप्राकृतिक उत्पादों के इस्तेमाल से बच सकती हैं जिनमें भारी मात्रा में केमिकल हो। साथ ही प्राकृतिक और आर्गेनिक स्क्रब को चुनें। हम आपको ऐसे ही स्क्रब के बारे में बताएंगे। जहां तक सामग्रियों की बात है तो यह आसानी से आपके किचन में ही मिल जायेंगे। तो आप इंतजार किस बात का कर रही हैं। अपनी तैलीय त्वचा को धूप के प्रकोप से निजात दिलाइये और इन उपायों को आजमाइये।

खीरा स्क्रब

इस स्क्रब को तैयार करना काफी आसान है। आपको सिर्फ एक खीरा लेना है। इसे आप घिस या मसल सकते हैं। अब इसे अपने चेहरे पर मसाज करते हुए लगा लें। उंगलियों से ऊपर की तरफ गोल मसाज करते हुए इसे लगाएं। इसे चेहरे पर 5 मिनट तक लगा रहने दें और उसके बाद ठंडे पानी से धो लें। अच्छे परिणाम के लिए इसे हफ्ते में दो बार लगायें।

शहद स्क्रब

एक बड़ा चम्मच शहद, 2 बड़ा चम्मच पिसा बादाम और आधा चम्मच नींबू का रस लें और इन्हें मिला लें। इस मिश्रण से चेहरे पर 5 मिनट तक मसाज करें और इसके बाद चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें। यहां पर एक बात ध्यान देनी होगी कि बादाम को महीन नहीं पीसना है। इसे थोड़ा दरदरा रहने दें जिससे अच्छी स्क्रबिंग होगी।

टमाटर स्क्रब

एक छोटा टमाटर लें और इसका रस निकाल लें। इसमें दो चम्मच चीनी मिलाएं और खुरखुरा मिश्रण बनाएं। इससे चेहरा, गर्दन और बाहों पर 5 मिनट तक स्क्रब करें। इसके बाद स्क्रब को 5 मिनट तक रहने दें और इसके बाद धो लें। यह स्क्रब तैलीय त्वचा के लिए काफी असरदार होता है पर कई बार इससे आपको खुश्की महसूस हो सकती है इसलिए इस स्क्रब के बाद मॉइश्चराइजर जरूर लगाएं।

कॉफी स्क्रब

एक बड़े चम्मच कॉफी को एक बड़े चम्मच दही में अच्छी तरह से मिला लें। इस मिश्रण से अपने चेहरे पर मसाज करें और इसके बाद इसे चेहरे पर 5 मिनट तक रहने दें। इसे ठंडे पानी से धो लें और चेहरे को सुखा लें। अगर आपको दूध या उसके उत्पाद से एलर्जी है तो आप स्क्रब में दही की जगह शहद डाल सकती हैं।

चावल स्क्रब

एक बड़ा चम्मच मीनी चावल, एक चम्मच शहद और एक चुटकी बेकिंग सोडा लें और अच्छी तरह से मिला लें। अगर आपके पास मीनी चावल नहीं है तो आप चावल का पाउडर इस्तेमाल कर सकती हैं। इस पेस्ट को पूरे चेहरे पर लगाएं और 5 मिनट बाद धो लें। ऐसी महिलाएं जिनकी त्वचा तैलीय होने के साथ साथ संवेदनशील भी है, यह स्क्रब उनके लिए ही बना है।

हंसना मना है

अजय: भाई लड़कियां कितनी अजीब बातें करती हैं। विजय: क्या हुआ। अजय: मेरी गर्लफ्रेंड तैयार होने के लिए पार्लर जा रही थी और वहां जाने के लिए भी तैयार हुई।

पत्नी मायके से वापस आई पति दरवाजा खोलते हुए जोर-जोर से हंसने लगा। पत्नी: ऐसे क्यों हंस रहे हो। पति: गुरुजी ने कहा था कि जब भी मुसीबत सामने आए, उसका सामना हंसते हुए करो।

पापा: कल रात कहां था। सोनू: ग्रुप स्टडी करने के लिए दोस्त के यहां रुका था। पापा: कल की उतरी नहीं क्या। सोनू: क्यों। पापा: तुझे नौकरी करते हुए तीन साल हो गए शराबी!

पत्नी: आपके लिए नया शर्ट लाई हूं। पति: अरे वाह, बहुत बढ़िया है। कितने का लिया। पत्नी: 5,000 रुपये की साड़ी के साथ फ्री मिला था।

इंटरव्यूअर: रिस्क टेकिंग कपैसिटी कितनी है आपकी। पप्पू: सर, भगवान से अगले जन्म में भी यही बीवी मांगी है। इंटरव्यूअर: यू आर सिलेक्टेड!

कहानी | महानता के बीज

यूनान देश के एक गांव का लड़का जंगल में लकड़ियां काट कर शाम को पास वाले शहर के बाजार मे बेचकर अपना गुजारा करता था। एक दिन एक विद्वान व्यक्ति बाजार से जा रहा था। उसने देखा कि उस बालक का गट्ठर बहुत ही कलात्मक रूप से बंधा हुआ है। उसने उस लड़के से पूछा-क्या यह गट्ठर तुमने बांधा है? लड़के ने जवाब दिया-जी हां, मैं दिनभर लकड़ी काटता हूं, स्वयं गट्ठर बांधता हूं और रोज शाम को गट्ठर बाजार मे बेचता हूं। उस व्यक्ति ने कहा कि क्या तुम इसे खोलकर इसी प्रकार दुबारा बांध सकते हो? जी हां, यह देखिए-इतना कहते हुए लड़के ने गट्ठर खोला तथा बड़े ही सुन्दर तरीके से पुन: उसे बांध दिया। यह कार्य वह बड़े ध्यान, लगन और स्फूर्ति के साथ कर रहा था। लड़के की एकाग्रता, लगन तथा कलात्मक रीति से काम करने का तरीका देख उस व्यक्ति ने कहा-क्या तुम मेरे साथ चलोगे? मैं तुम्हें शिक्षा दिलाऊंगा और तुम्हारा सारा व्यय वहन करूंगा। बालक ने सोच-विचार कर अपनी स्वीकृति दे दी और उसके साथ चला गया। उस व्यक्ति ने बालक के रहने और उसकी शिक्षा का प्रबंध किया। वह स्वयं भी उसे पढ़ाता था। थोड़े ही समय में उस बालक ने अपनी लगन तथा कुशाग्र बुद्धि के बल पर उच्च शिक्षा प्राप्त कर ली। बड़ा होने पर यही बालक यूनान के महान दार्शनिक पाइथागोरस के नाम से प्रसिद्ध हुआ। वह भला आदमी जिसने बालक के भीतर पड़े महानता के बीज को पहचान कर उसे पल्लवित किया, वह था, यूनान का विख्यात तत्व ज्ञानी डेमोक्रीट्स।

शिक्षा- इस कहानी से हम सीख ले सकते हैं कि हमें छोटे-छोटे कार्य भी लगन एवं ईमानदारी से करने चाहिये, उसी में महानता के बीज छिपे होते हैं। छोटे काम को भी कभी लापरवाही से नहीं करना चाहिए।

5 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

जॉब को लेकर तनाव रहेगा। पारिवारिक रिश्तों में विवाद की संभावना है। सुखद यात्रा के संयोग हैं। पीला व लाल रंग शुभ है। श्री सूक्त का पाठ करें।

वृषभ

धन का आगमन हो सकता है। बैंकिंग व आईटी जॉब में प्रमोशन की तरफ अग्रसर होंगे। नीला व सफेद रंग शुभ है। शुक्र व बुध के बीज मंत्र का जप करें।

मिथुन

चन्द्रमा मन का कारक ग्रह है जो कि आज इसी राशि से द्वादश है। धार्मिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे। लाल व पीला रंग शुभ है। कोई बकाया धन मिलेगा।

कर्क

नवीन अनुबंध से लाभ देंगे। आज किसी भी व्यावसायिक योजना को टालना ठीक नहीं है। पीला व सफेद रंग शुभ है। अन्न का दान करें। धन में वृद्धि होगी।

सिंह

शिक्षा में सफलता से प्रसन्नता होगी। गणेश जी को दूर्वा अर्पित करें। नीला व बैगनी रंग शुभ है। गाय को पालक खिलाएं। मित्रों से लाभ हो सकता है।

कन्या

जॉब को लेकर प्रोमोशन संभव है। श्री सूक्त का पाठ करें। मित्रों का सहयोग मिलेगा। हरा व पीला रंग शुभ है। ज्यादा भोजन पर नियंत्रण रखें।

तुला

आज का दिन छात्रों के लिए सफलता का है। नारंगी व पीला शुभ है। मंगल के द्रव्य गेंहू व मसूर का दान करें। यात्रा संबंधी कोई भी निर्णय सोच समझ कर ही लें।

वृश्चिक

कोई बड़ी सफलता मिलेगी। परिवार संबंधित निर्णय को लेकर असमंजस में रहेंगे। सफेद व हरा रंग शुभ है। शिव उपासना करें। चावल का दान करें।

धनु

व्यवसाय को लेकर तनाव रहेगा। जॉब में नवीन कार्य आरंभ होंगे। धन में वृद्धि होगी। हरा व सफेद रंग शुभ है। तिल दान करना श्रेयष्कर है।

मकर

आज चन्द्रमा सप्तम व सूर्य चतुर्थ है। व्यवसाय को लेकर सुखद समाचार की प्राप्ति होगी। जॉब में उन्नति व रुके धन लाभ के संकेत हैं। लाल व नारंगी रंग शुभ है।

कुम्भ

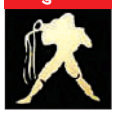

धन आगमन के संकेत हैं। परिवार में थोड़ा तनाव संभावित है। गृह कार्यों में व्यस्त रहेंगे। सफेद व लाल रंग शुभ है। तिल दान करना उचित है। शिव उपासना करें।

मीन

राजनीति में प्रोग्रेस है, कोई बड़ी सफलता मिलेगी। परिवार संबंधित निर्णय को लेकर असमंजस में रहेंगे। सफेद व हरा रंग शुभ है। तिल दान करना उचित है।

बॉलीवुड | मन की बात

फोटोशूट के लिए सोनाक्षी सिन्हा ने पहनी डीपनेक ड्रेस

बॉलीवुड गलियारों में न सिर्फ अपने अभिनय, बल्कि बेबाक अंदाज के लिए भी मशहूर एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं रह गई हैं। वह अक्सर अपनी फिल्मों के कारण चर्चा में बनी रहती हैं। इसके अलावा उनकी निजी जिंदगी में कुछ न कुछ ऐसा चलता ही रहता है, जिसकी वजह से वह सुर्खियों में आ जाती हैं। हालांकि इस सोनाक्षी अपने लेटेस्ट फोटोशूट के कारण सुर्खियां बटोर रही हैं। सोनाक्षी जब भी पर्दे पर आती हैं फैंस उन्हें देखते ही रह जाते हैं। फिल्मों के अलावा एक्ट्रेस सोशल मीडिया के जरिए अपने चाहने वालों के साथ भी जुड़ी रहती हैं। अगर सोनाक्षी के इंस्टाग्राम पेज पर नजर डाली जाए तो उनका अकाउंट पूरा स्टाइलिश फोटोशूट्स से भरा हुआ है। अब सोनाक्षी ने फिर से अपनी बोल्ड तस्वीरों की एक सीरीज शेयर की है। सोनाक्षी ने कुछ देर पहले अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर तीन फोटोज शेयर की हैं, जिसमें उनका बोल्ड और हॉट अंदाज देखने को मिल रहा है। इनमें उन्हें ग्रीन कलर की थाई-हाई स्लिट डीपनेक ड्रेस पहने देखा जा सकता है. उनका ये रूप देखकर लोगों के होश उड़ गए हैं। सोनाक्षी ने मेकअप को अपने आउटफिट के साथ मैच किया है। यहां उन्होंने लुक को पूरा करने के लिए बालों को स्ट्रेट कर खुला छोड़ा है। सोनाक्षी ने कुल अपनी तीन तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह चेयर पर बैठकर अलग-अलग पोज दे रही हैं। उनकी ये अंदाएं किसी के भी होश उड़ाने के लिए काफी हैं।

केजीएफ-2 विलेन अधीरा का रोल कर रहे संजय दत्त

सिनेमा की दुनिया में इन दिनों आने वाली फिल्म केजीएफ 2 की चर्चाएं काफी तेज हैं। फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हालांकि उनका इंतजार जल्द खत्म होने वाला है। दरअसल, ये फिल्म आने वाली 14 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। साउथ स्टार यश के लीड रोल वाली फिल्म में संजय दत्त और रवीना टंडन भी महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। फिल्म में संजय दत्त का विलेन अधीरा का रोल कर रहे हैं। ये पहला मौका नहीं जब संजय दत्त ने किसी फिल्म का विलेन का रोल किया है। आइए जानते हैं कि फिल्म %केजीएफ 2% से पहले संजय दत्त ने किन फिल्म में निगेटिव रोल में नजर आ चुके हैं।

पानीपत

अर्जुन कपूर की फिल्म पानीपत में संजय दत्त ने अहमद शाह अब्दाली का नेगेटिव रोल किया था। वहीं, अर्जुन कपूर मराठा शासक सदाशिराव भाऊ के किरदार में थे। इन दोनों में युद्ध होता है। फिल्म में संजय दत्त की एक्टिंग की काफी तारीफ हुई थी।

अग्निपथ

फिल्म अग्निपथ में ऋतिक रोशन लीड रोल में थे। वहीं, सजय दत्त ने विलेन कांचा चीना का रोल किया था। सजंय दत्त के इस किरदार के लोगों को खूब डराया और उनकी एक्टिंग की काफी तारीफ हुई थी।

खलनायक

संजय दत्त की चर्चित फिल्म खलनायक का लोगों पर खूब असर पड़ा। फिल्म देखने के बाद युवाओं ने खलनायक बनने की ठान ली थी। फिल्म में संजय दत्त ने खलनायक का निगेटिव रोल किया था।

मुसाफिर

फिल्म मुसाफिर में संजय दत्त ने बिल्ला का रोल किया था। ये फिल्म लोगों ज्यादा पसंद नहीं आई लेकिन संजय दत्त की निगेटिव किरदार में एक्टिंग को लोगों ने खूब पसंद किया। फैंस को संजय दत्त लुक काफी अच्छा लगा।

प्लान

संजय दत्त ने मल्टीस्टारर फिल्म प्लान में मूसाभाई का नेगेटिव रोल किया था। फिल्म संजय दत्त का स्टाइल लोगों के बीच छा गया था। फिल्म में प्रियंका चोपड़ा और डीनो मोरिया सहित कई कलाकार थे।

बॉलीवुड | मसाला

वास्तव

फिल्म वास्तव में संजय दत्त के किरदार को कोई कैसे भूल सकता है। संजय दत्त ने फिल्म में जो डायलॉग बोले हैं वो आज भी लोगों की जुबान पर आ जाते हैं। फिल्म में उन्होंने गैंगस्टर का रोल किया था।

उर्फी जावेद ने फ्रंट ओपन टॉप पहनकर किया डांस

उर्फी जावेद अक्सर अपने अतरंगी फैशन को लेकर चर्चा में रहती हैं। उनका अनोखा फैशन कभी फैन्स को पसंद आता है, तो कभी वह अपने इसी ड्रेसिंग सेंस को लेकर सोशल मीडिया पर बुरी तरह से ट्रोल होती हैं। लेकिन उर्फी जावेद ट्रोल्स की परवाह किए बिना लगातार सोशल मीडिया पर अपने बोल्ड लुक से लोगों को हैरान करती हैं। हाल ही में एक बार फिर से उर्फी जावेद ने अपने बोल्ड लुक में एक वीडियो शेयर की, लेकिन इस बार वह अपने ड्रेसिंग सेंस के साथ-साथ अपने डांस को लेकर भी सोशल मीडिया पर बुरी तरह से ट्रोल हो गई। उर्फी जावेद ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट की। इस वीडियो में उर्फी जावेद लाइट पिंक रंग के फ्रंट ओपन टॉप में नजर आ रही हैं। जिसके साथ उन्होंने ब्लू रंग की जींस पहनी हुई है और साथ ही अपने बालों को बांधा हुआ है। उर्फी जावेद का टॉप बैकलेस है। इस वीडियो में वह सिर्फ अपने बोल्ड लुक में नजर नहीं आ रही हैं, बल्कि एक अंग्रेजी गाने पर जमकर डांस कर रही हैं। इस वीडियो को शेयर करते हुए उर्फी जावेद ने कैप्शन में लिखा, मैं ये कर सकती हूं, लेकिन क्या आप कर सकते हैं। हर बार अपने लुक को लेकर ट्रोल होने वाली उर्फी जावेद इस बार अपने बोल्ड लुक को लेकर कम लेकिन अपने डांस को लेकर सोशल मीडिया पर ज्यादा ट्रोल हुईं। एक यूजर ने उर्फी जावेद के डांस वीडियो पर कमेंट करते हुए लिखा, डांस मत किया करो, अगर आपसे नहीं होता तो प्लीज, आप सिर्फ कपड़ों का प्रमोशन करो। दूसरे यूजर ने लिखा, ड्रेस डिजाइनर, कहां से लाते हो आप इतने बकवास आउटफिट। अन्य यूजर ने लिखा, उर्फी जावेद आपका ड्रेस डिजाइनर कौन है। लोग उर्फी जावेद के इस डांस और आउटफिट को देखकर उन्हें खूब ट्रोल कर रहे हैं। इससे पहले उर्फी जावेद ने अपने इंस्टाग्राम पर एक और वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें वह सेफ्टीपिन से बनी ड्रेस पहनी हुई नजर आई थीं।

अजब-गजब | अलास्का में सामने आई एक विचित्र घटना

अलास्का की पहाड़ियों में क्रैश हुआ एलियंस का प्लेन

एलियंस को लेकर लोगों में दो तरह के मत हैं। कुछ लोग मानते हैं कि एलियंस होते हैं। वहीं कुछ लोगों एलियंस में नहीं मानते। हालांकि कई लोगों ने एलियंस और यूएफओ देखने के दावे किए हैं। हालांकि इन दावों के अब तक कोई पुख्ता सबूत नहीं मिले हैं। कई विशेषज्ञ एलियंस और यूएफओ पर शोध कर रहे हैं। इस बीच अलास्का में एक विचित्र घटना सामने आई है। कुछ स्थानीय लोगों का दावा है कि अलास्का की पहाड़ियों में एलियंस का प्लेन क्रैश हुआ है। अब इसकी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं।

हाल ही में अलास्का के एक पहाड़ पर विचित्र बादल ने स्थानीय लोगों को आश्चर्यचकित कर दिया। कुछ लोगों ने यहां तक दावा कर दिया कि एलियंस का एक यान उस इलाके में क्रैश हुआ है। इसकी कुछ तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। वहीं कुछ लोगों को लगा कि कोई यात्री विमान क्रैश हुआ है। हालांकि यात्री विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की खबर मीडिया में नहीं थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हाल ही में अमरीका के सबसे उत्तरी राज्य लेजी माउंटेन के ऊपर अजीबोगरीब बादल दिखाई दिए, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने उसकी तस्वीरें खींचकर वायरल कर दीं। कुछ

लोगों को लगा कि कोई यात्री विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ है, लेकिन ऐसी खबर मीडिया में नहीं थी। इसके बाद यूएफओ वाली बात को बल मिला। वहीं कुछ लोग इसे एक गुप्त सैन्य हथियार मान रहे हैं, जिसके कारण अजीब से बादल नजर आए। इस खबर ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी। इसके बाद अधिकारियों को जांच करनी पड़ी। एक बचाव दल को लेजी माउंटने पर भेजा गया। वहां हेलीकॉप्टर से भी सर्वे किया गया, लेकिन वहां पर किसी तरह का मलबा नहीं मिला और ना ही कोई संदिग्ध चीज दिखी। हालांकि यह बात जरूर सामने आई है कि घटना के वक्त एक कमर्शियल प्लेन उस इलाके में उड़ान भर रहा था। हालांकि जांच में पता चला कि वो विमान अपने गंतव्य तक पहुंच चुका था। वहीं अनुमान लगाया जा रहा है कि उगते सूरज के साथ कॉमर्शियल प्लेन ने लाइट को रिफलेक्ट किया होगा जिसकी वजह से अजीबोगरीब बादल दिखाई दिए।

एक पौधे में उग आए इतने टमाटर, बन गया वर्ल्ड रिकॉर्ड

हर कोई चाहता है कि उसका नाम वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल हो। एक किसान ने अपनी मेहनत से अपने नाम ऐसा करिश्मा कर दिखाया। उसने टमाटर के पौधे के जरिए अपना नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज करा लिया है। दरअसल, इस किसान ने एक पौधे में सबसे ज्यादा टमाटर उगाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया। जानकर हैरान रह जाएंगे कि इस किसान ने सिर्फ एक पौधे में इतने टमाटर उगा दिए, जिसको गिनते-गिनते आपकी हालत खराब हो जाएगी। इस किसान ने सिर्फ एक पौधे में 1269 टमाटर उगा दिए। इस कारण किसान और पौधे का नाम भी गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हो गया। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड वेबसाइट की खबर के अनुसार, ब्रिटेन के हर्टफोर्डशायर शहर के किसान डगलस स्मिथ ने इस अनोखे कारनामे के जरिए अपने नाम वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। डगलस स्मिथ ने टमाटर के सिर्फ एक स्टेम से सबसे ज्यादा टमाटर उगाने का रिकॉर्ड तोड़ डाला। इससे पहले पिछले साल तक यह रिकॉर्ड 488 टमाटर का था। इसके बाद डगलस ने इस रिकॉर्ड को तोड़ने के बारे में सोचा था और अब इस कारनामे को कर दिखाया है। उन्होंने पिछले साल ही 488 टमाटर का रिकॉर्ड तोड़ दिया था और एक पौधे से 839 टमाटर भी उगा दिए थे। हालांकि अब उन्होंने यह रिकॉर्ड भी तोड़ दिया और एक पौधे से 1269 टमाटर उगाकर दुनिया को हैरान कर दिया। बता दें कि डगलस को हॉर्टीकल्चर में बहुत ही ज्यादा दिलचस्पी है। पिछले चार साल से वह हर रोज अपना टाइम अपने गार्डन में बिताते हैं। उनकी दिली इच्छा है कि उन्हें दुनिया का सबसे अच्छा गार्डनर बुलाया जाय। गौरतलब है कि टमाटर का रिकॉर्ड बनाने के लिए स्मिथ ने कई साइंटिफिक पेपर्स को पढ़ा। इसके अलावा मिट्टी का सैंपल जुटाकर उसे लैब में टेस्ट के लिए भेजा। इतनी मेहनत के बाद जब उनका नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

लोकतंत्र की मर्यादा को तार-तार कर रही भाजपा : अखिलेश

» विधान परिषद चुनाव में धांधली की सभी हदें की गईं पार

» संवैधानिक संस्थाओं को किया जा रहा है कमजोर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने विधान परिषद चुनाव नतीजों को लेकर एक बार फिर भाजपा सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा है कि स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव में भाजपा की मनमानी और धांधली की सभी हदें पार हो गईं। भाजपा ने लोकतंत्र को कुचलने का काम किया है उसके लिए भाजपा को इतिहास कभी माफ नहीं करेगा।

उन्होंने कहा कि दूसरों को जातिवादी बताने वाली भाजपा की ये सच्चाई है कि एमएलसी चुनाव की 36 सीटों में से कुल 18 पर मुख्यमंत्री के स्वजातीय जीते हैं। एससी-एसटी, ओबीसी को दरकिनार कर ये कैसा 'सबका साथ, सबका विकास' ? सामाजिक न्याय को लोकतंत्र के जरिए मजबूत करने की लड़ाई समाजवादी लड़ते रहेंगे। भाजपा को संविधान, लोकतंत्र और निष्पक्ष चुनावों की प्रक्रिया में जरा भी विश्वास नहीं है। वह धन-बल और छल से येन-केन-प्रकारेण सत्ता में बने रहने के लिए संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने के साथ ही लोकतंत्र की सभी मर्यादाओं को भी तार-तार करने में लगी है। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनावों के बाद, विधान सभा चुनाव और अब स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र से एमएलसी चुनाव में भाजपा ने लोकतांत्रिक मर्यादाओं को कुचलने का ही काम किया है। सपा पहले ही भाजपा की साजिशों के बारे में मुख्य निर्वाचन आयुक्त को पत्र लिखकर सचेत कर दिया था कि भाजपा एमएलसी चुनाव जीतने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। यह लोकतंत्र और संविधान दोनों का संक्रमण काल है।

डॉ. आंबेडकर की जयंती पर जलाएंगे स्मृति दीप

सपा प्रमुख और नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव के आह्वान पर 14 अप्रैल को संविधान निर्माता डॉ. बाबा साहेब भीमराव आम्बेडकर की 131वीं जयंती के अवसर पर समाजवादी पार्टी के सभी पदाधिकारी, कार्यकर्ता, नेता हर शहर, जिले, कस्बे, गांव में सायं अपने घरों, दुकानों, दफ्तरों, एवं अन्य स्थानों पर स्मृति दीप जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। डॉ. बाबा साहब भीमराव आम्बेडकर सुप्रसिद्ध विधिवेत्ता, अर्थशास्त्री, राजनेता और समाज सुधारक थे। दलितों के प्रति सामाजिक भेदभाव के खिलाफ उन्होंने आजीवन संघर्ष किया था।

आजम के जाने से सपा को नहीं होगा नुकसान!

» समर्थकों की नाराजगी से सियासी गलियारों में चर्चा गर्म

» 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजम खां सपा के संस्थापक सदस्य रहे हैं। मुलायम सिंह के बाद वे सपा के सबसे बड़े नेता रहे। उनका अपना मजबूत जनाधार है। अब एक बार फिर आजम खां की नाराजगी सामने आयी है। उनके परिवार और समर्थक इस बात से नाराज है कि जेल में बंद आजम खां के लिए सपा प्रमुख ने कुछ नहीं किया। सवाल यह है कि यदि आजम खां सपा छोड़कर ओवैसी की पार्टी ज्वाइन कर लेते हैं तो इससे सपा को नुकसान होगा या फायदा? इस विषय पर प्रो. रविकांत, वरिष्ठ पत्रकार उत्कर्ष सिन्हा, उमाशंकर दुबे, प्रमोद गोस्वामी, राजनीतिक विश्लेषक ज्ञान गर्ग और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के बीच लंबी परिचर्चा चली।

उमाशंकर दुबे ने कहा कि राजनीति में नाराजगी चलती रहती है और आजम खां तेरह साल पहले भी सपा से नाराज हुए थे बाद में वे वापस आ गए। सपा में आजम खान का बड़ा रोल हुआ करता था। मुलायम सिंह यादव कभी आजम से अलग नहीं हुए। ज्ञान गर्ग ने कहा कि सुनने में आ रहा है कि आजम खां राजनीति छोड़ सकते है। यूपी के मुसलमान आजम के साथ खुद को संबद्ध करते है इसलिए एक मुश्त वोट सपा को मिला। प्रो.रविकांत ने कहा कि अगर आजम खान औवैसी के साथ जाते हैं जिसकी संभावना नहीं है लेकिन यदि ऐसा हुआ तो सपा को नुकसान या फायदा हो या न हो भारत की राजनीति को ज्यादा नुकसान होगा। प्रमोद गोस्वामी ने कहा कि तीन दशक पहले यूपी की राजनीति में तुष्टीकरण का बोलबाला था। जातिगत राजनीति का पीक था जो 2014 से घटना शुरू हुआ। आजम के जाने से अखिलेश पर बहुत ज्यादा प्रभाव नहीं पड़ेगा। डॉ. उत्कर्ष सिन्हा ने कहा, आजम खां अच्छे नेता रहे उनका प्रभाव भी बहुत है। हो सकता इस समय आजम खां आहत हों लेकिन उससे ज्यादा उनके लोग आहत होंगे।

कन्नौज : टुकड़ों में मिला किसान का शव, एक दिन पहले हुआ था लापता

» परिजनों ने गांव के ही दो लोगों पर लगाया हत्या का आरोप

» पुलिस कर रही मामले की जांच-पड़ताल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कन्नौज। जनपद के सौरिख में खेत जुतावने गए किसान का शव गांव के बाहर झाड़ियों के बीच टुकड़ों में पुआल से ढंका मिला। परिजनों ने गांव के ही दो लोगों पर हत्या का आरोप लगाकर हंगामा किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है।

सौरिख थाना क्षेत्र के ग्राम गोरखपुर निवासी किसान विश्वप्रताप सिंह उर्फ समर पाल सोमवार की सुबह सात बजे गांव के ही एक युवक का ट्रैक्टर व रोटावेटर लेकर खेत जुतवाने के लिए गया था। शाम तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने ट्रैक्टर मालिक से पूछताछ की। युवक ने जानकारी होने से इंकार कर दिया। मंगलवार दोपहर खोजबीन करते हुए परिजन खेत पर पहुंचे तो वहां पर खून पड़ा देखा। खून के निशानों के सहारे परिजन पास ही स्थिति झाड़ियों तक पहुंच गए। वहां घास फूस व पुआल से ढंका हुआ विश्वप्रताप का शव टुकड़ों में मिला। परिजनों ने ट्रैक्टर मालिक पर हत्या का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। सीओ शिव कुमार थापा, प्रभारी निरीक्षक मदन गोपाल गुप्ता पुलिस टीम के साथ पहुंचे। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। मृतक के पिता राजपाल सिंह ने गांव के दो लोगों पर हत्या का आरोप लगाकर तहरीर दी है।

युवक की हत्या के ढाई घंटे बाद ही आरोपियों के घर पर चला बुलडोजर

» रामपुर के थाना टांडा क्षेत्र में हुई थी वारदात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। रामपुर में दिनदहाड़े पूर्व प्रधान पर जानलेवा हमला कर दिया गया। हमलावरों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की जिसमें एक गोली पूर्व प्रधान के भतीजे को लग गई और उसकी मौके पर मौत हो गई। बचाने की कोशिश में एक पड़ोसी को भी गोली लगी है। हमले में पूर्व प्रधान गंभीर रूप से घायल हो गए, उन्हें गंभीर हालत में मुरादाबाद रेफर कर दिया गया। वहीं मौके पर पहुंचे अफसरों ने सख्ती दिखाते हुए तहरीर के आधार पर वारदात के ढाई घंटे के भीतर गांव के ही चार आरोपियों के घरों पर बुलडोजर चलवा दिया।

घटना थाना टांडा क्षेत्र के लालपुर कला गांव की है। लालपुर निवासी पूर्व प्रधान हाजी हारून ठेकेदार सुबह घर के बाहर बैठे हुए थे। आरोप है पड़ोस के घर में पहले से ही घात लगाए बैठे चार लोगों ने पूर्व प्रधान पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गर्दन और कमर में गोली लगने के बाद पूर्व प्रधान जमीन पर गिर गए। फायरिंग की आवाज सुन पूर्व प्रधान का भतीजा मोहम्मद वसीम बदमाशों को ललकारने लगा। बेखौफ बदमाशों ने भतीजे पर भी ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। सिर में गोली लगने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बीच बचाव कर रहे एक पड़ोसी को भी हाथ में गोली लगी है। इसके बाद आरोपी दफरार हो गए। सूचना पर पुलिस के आला अफसर गांव पहुंचे। वसीम का शव पोस्टमार्टम के लिए पुलिस अस्पताल भेजा गया जबकि गंभीर रूप से घायल हाजी हारून ठेकेदार को अस्पताल भर्ती कराया। रपुलिस अधीक्षक अंकित मित्तल ने कहा कि तीन लोगों को गोली लगी है जिसमें एक की मौत हो गई। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए 5 टीमों का गठन किया गया है।

लखनऊ : कपड़े की दुकान में लगी आग

» कॉम्प्लेक्स के ऊपरी मंजिल में रह रहे परिवार को सुरक्षित निकाला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। चौक इलाके में टेढ़ी बाजार स्थित एक कॉम्प्लेक्स में कपड़े की दुकान में देर रात आग लग गई। मौके पर पहुंची दमकल की 7 गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। वहीं कॉम्प्लेक्स की ऊपरी मंजिल में रह रहे शादाब के परिवार को पिछले रास्ते से सुरक्षित निकाल लिया गया।

राजा बाजार सुभाष मार्ग निवासी सनी रस्तोगी की टेढ़ी बाजार में कपड़े की दुकान और गोदाम है। सनी के मुताबिक रात दस बजे के करीब दुकान बंद कर वह घर गए। थोड़ी देर बाद आग लगने की सूचना मिली। दमकल की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। आग से कोई हताहत नहीं हुआ है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी विजय कुमार सिंह के मुताबिक राहत और बचाव कार्य करते समय लीडिंग फायरमैन प्रमोद मिश्रा जख्मी हो गए जिन्हें बलरामपुर अस्पताल भेजा गया।

रिटायर होने वाले डॉक्टरों की दोबारा होगी तैनाती सरकार ने पूरी की तैयारी

17-18 अप्रैल को आवंटित किए जाएंगे अस्पताल, दिया जाएगा मानदेय

» प्राइवेट प्रैक्टिस न करने और बाहर से दवा न लिखने का देना होगा शपथ पत्र

गीताश्री

लखनऊ। प्रदेश के सरकारी अस्पतालों से सेवानिवृत्त होने वाले डॉक्टरों को दोबारा तैनाती दी जाएगी। इसके लिए 17 एवं 18 अप्रैल को काउंसिलिंग होगी। इसमें डॉक्टरों को अस्पताल आवंटित किए जाएंगे। इन डॉक्टरों को उनके अंतिम वेतन से पेंशन की रकम कम करके मानदेय दिया जाएगा।

स्वास्थ्य महानिदेशालय ने 62 साल की उम्र में सेवानिवृत्त होने वाले डॉक्टरों से दोबारा तैनाती के लिए आवेदन मांगे थे। इसके लिए 198 डॉक्टरों ने आवेदन किया है। इनमें से 100 डॉक्टरों को 17 अप्रैल एवं अन्य को 18 अप्रैल को अस्पताल आवंटित किए जाएंगे। स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. वेदब्रत सिंह ने बताया कि डॉक्टरों का चयन करते समय उनकी विशिष्ट योग्यता का ध्यान रखा जाएगा। पहली प्राथमिकता रेडियोलॉजिस्ट, दूसरी एनेस्थेटिस्ट (बेहोशी) और फिर महिला रोग विशेषज्ञ का चयन होगा। इसी तरह अन्य मानक भी तय किए गए हैं। दोबारा तैनात होने वाले डॉक्टर को प्राइवेट प्रैक्टिस न करने और बाहर से दवा न लिखने का शपथ पत्र देना होगा। जाहिर है इससे प्रदेश के तमाम अस्पतालों में चिकित्सकों की कमी को कुछ हद तक पूरा किया जाएगा।

टीबी मरीजों वाले गांव को गोद लेंगे सांसद विधायक और मंत्री : बृजेश पाठक

» संचारी रोगों की रोकथाम के लिए चलाया जा रहा है अभियान

» गरीबों के लिए बेहद फायदेमंद रही है आयुष्मान भारत योजना

» कोरोना काल में उत्तर प्रदेश सरकार ने किया बेहतर काम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में टीबी उन्मूलन के लिए डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने कमर कस ली है। उन्होंने कहा कि टीबी उन्मूलन के लिए टीबी मरीजों वाले गांव को सांसद, विधायक और मंत्री गोद लेंगे।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग जनता के लिए बेहतर तरीके से काम कर रहा है। पीएम मोदी की आयुष्मान भारत योजना गरीबों के लिए काफी फायदेमंद साबित हो रही है। पंजीकृत श्रमिकों को मुख्यमंत्री जन अरोग्य योजना के तहत 1.80 करोड़ आयुष्मान कार्ड वितरित किए जा रहे हैं। 12 लाख श्रमिकों ने जन अरोग्य योजना का लाभ उठाया है। यूपी में 10 करोड़ 94 लाख कोविड टेस्ट किए गए हैं। यूपी में कोविड के एक्टिव केस की संख्या महज 300 है। यूपी में 559 ऑक्सीजन प्लांट तैयार हो चुके हैं। कोविड काल में यूपी सबसे बेहतर रहा। अभी तक 11 करोड़ कोविड टेस्ट किये गए है। टीकाकरण में भी यूपी देश में नंबर वन है। ई संजीवनी एप बनाया गया जिससे घर बैठे डॉक्टरों से चिकित्सकीय सलाह ली जा सकती है। उन्होंने कहा कि सरकार संचारी रोग आभियान के जरिए मलेरिया को समाप्त करने की तैयारी में है। इस साल के अंत तक मलेरिया को खत्म कर देंगे। संचारी रोग को खत्म करने के लिए प्रभावी कदम उठाया जा रहे हैं। जेई और एईएस जैसी बीमारियों को रोकने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। सीएम योगी ने संचारी रोग अभियान की शुरुआत की है।

घर-घर चलेगा दस्तक अभियान

डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने कहा कि संचारी रोगों की रोकथाम के लिए आंगनबाड़ी और एएनएम घर-घर जाकर लोगों को जानकारी देंगी। जनता को जागरूक किया जाएगा। शुद्ध पानी और साफ-सफाई के बारे में भी जानकारी दी जाएगी।

लखनऊ एयरपोर्ट पर डेढ़ करोड़ से अधिक का सोना बरामद

» एयर इंडिया का बस चालक भी गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर लगातार तस्करी कर सोना लाने का सिलसिला जारी है। कस्टम की टीम ने इस बार मस्कट से लाए गए तीन किलोग्राम भार के 27 सोने के बिस्कुट के साथ यात्री को गिरफ्तार किया। साथ ही इस खेल में शामिल एयर इंडिया की बस के चालक को भी गिरफ्तार किया गया है।

मस्कट से उड़ान ओवी-797 रात करीब तीन बजे एयरपोर्ट पहुंची थी। कस्टम टीम को एक यात्री पर संदेह हुआ। यात्री के पास मौजूद एक हैंडबैग की तलाशी ली गई। जिसमें लाल और काले रंग के टेप से पैक किए गए सोने के 27 बिस्कुट बरामद हुए। बिस्कुट का वजन 3149.280 ग्राम निकला जिसकी कीमत करीब 1.68 करोड़ रुपये है। यात्री से बताया कि यह सोना उसे एयर इंडिया के बस चालक को देना था। बस चालक ही इस सोने को एयरपोर्ट के बाहर किसी तस्कर को सौंपता। कस्टम की टीम ने यात्री के साथ चालक को भी गिरफ्तार कर आर्थिक मामलों के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट को सौंप दिया।

प्रेमी के घर पहुंची छात्रा को पिता और भाई ने काट डाला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» मुरादाबाद में ऑनर किलिंग की सनसनीखेज वारदात से दहशत

» आरोपी फरार, पुलिस कर रही जांच पड़ताल

मुरादाबाद। भोजपुर थानाक्षेत्र के एक गांव में ऑनर किलिंग की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। आज सुबह प्रेमी के घर पहुंची छात्रा को पिता और भाई ने कुल्हाड़ी और चाकू से काटकर मौत के घाट उतार दिया। सूचना पर पुलिस पहुंची और शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। आरोपी पिता और भाई गांव से फरार हैं।

पुलिस के मुताबिक, भोजपुर थानाक्षेत्र के गांव निवासी किसान की 17 वर्षीय बेटी बारहवीं कक्षा की छात्रा थी। छात्रा का गांव निवासी दूसरी बिरादरी के 18 वर्षीय युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा था। आज सुबह छह बजे छात्रा प्रेमी के घर पहुंच गई और वहीं बैठ गई। वह जिद करने लगी कि वह प्रेमी से शादी करेगी और अब यहीं रहेगी। इसी बीच छात्रा के पिता और भाई कुल्हाड़ी और चाकू लेकर पहुंचे और उन्होंने छात्रा पर ताबड़तोड़ वार कर उसे मौत के घाट उतार दिया। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण विद्या सागर मिश्र ने बताया कि आरोपी फरार हैं। उनकी तलाश में पुलिस टीम जुटी है।

गंदगी देख भड़कीं महापौर, कार्यदायी संस्थाओं पर लगाया जुर्माना

» कन्हैया माधवपुर समेत कई वार्डों का किया औचक निरीक्षण

» लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई की दी चेतावनी, अतिक्रमण हटाने के भी निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। महापौर संयुक्ता भाटिया ने आज कन्हैया माधवपुर द्वितीय एवं हैदरगंज द्वितीय वार्ड के कई इलाकों में सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया। मायापुरम, फरीदीपुर में गंदगी मिलने पर एसएफआई को फटकार लगायी। साथ ही उन्होंने कहा कि सफाई कार्य में लापरवाही करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होगी।

महापौर संयुक्ता भाटिया ने कन्हैया माधवपुर द्वितीय एवं हैदरगंज द्वितीय वार्ड में कार्यदायी संस्थाओं के मास्टररोल संस्था के कर्मचारियों को आधार कार्ड सहित तलब किया और गंदगी मिलने पर कन्हैया माधवपुर वार्ड में तैनात कार्यदायी संस्था पर एक लाख का जुर्माना लगाया। वही हैदरगंज द्वितीय वार्ड में कार्यदायी संस्था पर दो लाख का जुर्माना लगाया। दुबग्गा से अवध चौराहा जाने वाले मार्ग में अवैध टिम्बर स्टोर पर पांच हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। यहां नाले को जाम कर लकड़ियां बेची जा रही थी। महापौर ने जोनल अधिकारी को डिवाइडर पर अवैध अतिक्रमण हटाने के भी निर्देश दिए।

फोटो:4 पीएम

साफ-सफाई जयंती से पूर्व हजरतगंज स्थित आंबेडकर प्रतिमा की साफ-सफाई की गयी। कल पूरे देश में मनाई जाएगी संविधान निर्माता डॉ.आम्बेडकर की जयंती।

कुशीनगर में नाव पलटने से तीन युवतियों की डूबने से मौत

» नारायणी नदी में हादसा, गेहूं की कटाई करने जा रही थीं महिलाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कुशीनगर। खड्डा इलाके में आज सुबह नारायणी नदी में महिला मजदूरों से भरी नाव पलट गई। नाव पर सवार नौ महिलाओं समेत सभी 10 लोग डूब गए। सात को सुरक्षित बाहर निकाल लिया जबकि तीन युवतियां का शव मिला। घटना का कारण नाव में छेद होना बताया जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक गांव बोधी छपरा निवासी मिश्री निषाद का नारायणी नदी उस पार गांव बलुइया रेता में खेत है। खेत में गेहूं की फसल तैयार है। छितौनी के टोला पथलहवा निवासी नौ महिला मजूदरों संग सुबह आठ बजे वह गेहूं की कटाई कराने नाव से नदी उस पार जा रहे थे। बीच नदी में नाव पलट गई। मछुआरों ने कुमकुम, सुरमा देवी, हुस्नआरा, रबिया, नूरजहां, गुलशन तथा मिश्री निषाद सहित सात को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। काफी तलाश के बाद गुड़िया, आसमां व सोनिया निवासी पथलहवा का शव बरामद हुआ।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।